Roll No. ....................................

**बी.ए.-12 ( कला में स्नातक ) संस्कृत**

## प्रथम वर्ष, सत्र- 2015

## बी.ए.एस.एल.−101

# नाटक, अलंकार एवं छन्द

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 60**

**नोट : यह प्रश्न–पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।**

## खण्ड–क

### ( दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं । (2×15=30)**

1. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए–

(क) आपरितोषाद् विदुषां न साधु मन्ये प्रयोग विज्ञानम्।
बलवदपि शिक्षितानामात्मन्य प्रत्ययं चेतः।।

(ख) इदं किलाव्याजमनोहरं वपुः
तपःक्षमं साधयितुं य इच्छति।
ध्रुवं स नोलोत्पलपत्रधारया
शमीलतां छेत्तुमृषिर्व्यवस्यति।

(ग) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया।
कण्ठः स्तम्भितवाष्पवृत्ति कलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम्।
वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः।
पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनया विश्लेष दुःखैर्नवै।।

2. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के आलोक में महाकवि कालिदास की नाट्यप्रतिभा का मूल्यांकन कीजिए।

3. शकुन्तला का चरित्र–चित्रण कीजिए।

4. श्लेष अलंकार के विभिन्न भेदों की लक्षण–उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

## खण्ड-ख

## (लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

**नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।**

**(4×5=20)**

1. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के चतुर्थ अंक का वैशिष्ट्य प्रतिपादित करें।
2. महाकवि कालिदास के स्थिति–काल पर लघु निबंध लिखें।
3. अतिशयोक्ति अलंकार को सोदाहरण परिभाषित करें।
4. व्यतिरेक अलंकार की सोदाहरण व्याख्या करें।
5. यमक अलंकार किसे कहते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट करें।
6. उत्प्रेक्षा अलंकार को सोदाहरण स्पष्ट करें।
7. वंशस्थ छन्द का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए।
8. वसन्ततिलका छन्द का लक्षण क्या है?

## खण्ड-ग

## ( वस्तुनिष्ठ प्रश्न )

**नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10×1=10)**

**सही उत्तर चुनिये :**

1. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' का नायक कौन है-

   (अ) महर्षि कण्व (ब) विदूषक

   (स) दुष्यन्त (द) शकुन्तला

2. शकुन्तला पतिगृह जाने हेतु किस अंक में विदा होती है-

   (अ) प्रथम (ब) चतुर्थ

   (स) तृतीय (द) पंचम

3. निम्न में से कौन शकुन्तला की सखी है-

   (अ) अनुसूया (ब) गौतमी

   (स) वसन्तसेना (द) लता

4. शकुन्तला की अंगूठी कहाँ खो जाती है-

   (अ) हस्तिनापुर में (ब) बद्रीनाथ में

   (स) जगन्नाथपुरी में (द) शचीतीर्थ में

5. 'सूर्याश्वैर्मसजस्तताः सगुरवः शार्दूलविक्रीडितम्' इस लक्षण में 'सूर्य' किसका वाचक है-

   (अ) सात की संख्या का (ब) आदित्य का

   (स) बारह की संख्या का (द) घोड़े का

6. किस छन्द के प्रत्येक चरण में चार यगण होते हैं-

(अ) वसन्ततिलका (ब) अनुष्टूप्

(स) भुजंगप्रयात (द) मालिनी

7. 'ननमयययुता' यह किस छन्द का लक्षण है-

(अ) मालिनी (ब) मन्दाक्रान्ता

(स) इन्द्रवज्रा (द) आर्या

8. उपमान तथा उपमेय में एकता की प्रतीति किस अलंकार में होती है-

(अ) रूपक (ब) उपमा

(स) विभावना (द) सन्देह

9. जहाँ कारण के बिना ही कार्य उत्पन्न हो जाए वहाँ कौन-सा अलंकार होता है-

(अ) विशेषोक्ति (ब) विभावना

(स) अनुप्रास (द) श्लेष

10. 'नायं सुधांशुः किं तर्हि व्योमगंगा सरोरुहम्' इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है-

(अ) उपमा (ब) भ्रान्ति

(स) उत्प्रेक्षा (द) अपह्नुति